

विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा - अष्टम

दिनांक -06 - 11 - 2021

विषय -हिन्दी

विषय शिक्षक - पंकज कुमार

सुप्रभात् बच्चों आज तद्धित प्रत्यय के बारे में अध्ययन करेंगे।

तद्धित प्रत्यय

तद्धित प्रत्यय की परिभाषा

संज्ञा सर्वनाम और विशेषण के अन्त में लगने वाले प्रत्यय को 'तद्धित' कहा जाता है और उनके मेल से बने शब्द को 'तद्धितान्त'।

दूसरे शब्दों में - धातुओं को छोड़कर अन्य शब्दों में लगनेवाले प्रत्ययों को तद्धित कहते हैं। जब संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के अंत में प्रत्यय लगते हैं, उन शब्दों को तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

जैसे-

- मानव + ता = मानवता
- अपना + पन = अपनापन

कृत-प्रत्यय क्रिया या धातु के अन्त में लगता है, जबकि तद्धित प्रत्यय संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण के अन्त में। तद्धित और कृत-प्रत्यय में यही अन्तर है। उपसर्ग की तरह तद्धित-प्रत्यय भी तीन स्रोतों- संस्कृत, हिंदी और उर्दू से आकर हिन्दी शब्दों की रचना में सहायक हुए हैं।

तद्धित प्रत्यय के भेद

1. कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय

2. भाववाचक तद्धित प्रत्यय
3. संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय
4. गणनावाचक तद्धित प्रत्यय
5. गुणवाचक तद्धित प्रत्यय
6. स्थानवाचक तद्धित प्रत्यय

कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय: कर्ता का बोध कराने वाले प्रत्यय कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। जिन प्रत्यय को जोड़ने से कार्य को करने वाले का बोध हो, उसे कर्तृवाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

संज्ञा के अन्त में आर, इया, ई, एरा, हारा, इत्यादि तद्धित-प्रत्यय लगाकर कर्तृवाचक तद्धितान्त संज्ञाएँ बनायी जाती हैं।

जैसे-

- पालन + हार = पालनहार
- चित्र + कार = चित्रकार

भाववाचक तद्धित प्रत्यय: भाव का बोध कराने वाले प्रत्यय भाववाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। जो प्रत्यय संज्ञा तथा विशेषण के साथ जुड़कर भाववाचक संज्ञा को बनाते हैं, उसे भाववाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

संज्ञा के अन्त में आ, आयँध, आई, आन, आयत, आरा, आवट, आस, आहट, ई, एरा, औती, त, ती, पन, पा, स इत्यादि तद्धित-प्रत्यय लगाकर भाववाचक तद्धितान्त संज्ञाएँ बनायी जाती हैं।

जैसे-

- बुलाव + आ = बुलावा
- ऊँचा + आई = ऊँचाई

संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय: संबंध का बोध कराने वाले प्रत्यय संबंधवाचक तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं। जिन प्रत्ययों के लगने से संबंध का पता लगता है, उसे संबंध वाचक तद्धित प्रत्यय कहते हैं। इसमें कभी-कभी आदि स्वर की वृद्धि हो जाती है।

संज्ञा के अन्त में आल, हाल, ए, एरा, एल, औती, जा इत्यादि तद्धित-प्रत्यय लगाकर सम्बन्धवाचक तद्धितान्त संज्ञाएँ बनायी जाती हैं।

जैसे-

- चाचा + ऐरा = चचेरा
- बहन + जा = भानजा